Baba’s Praise

25/3/2015

- मीठे-मीठे रूहानी बच्चों प्रति रूहानी बाप फिर से समझा रहे हैं।

- बाप जब सच्ची गीता आकर सुनाते हैं तो हम सद्गति को पाते हैं। मनुष्य यह नहीं समझते। बाप जो सर्व का सद्गति दाता है, उनको ही याद करना है।

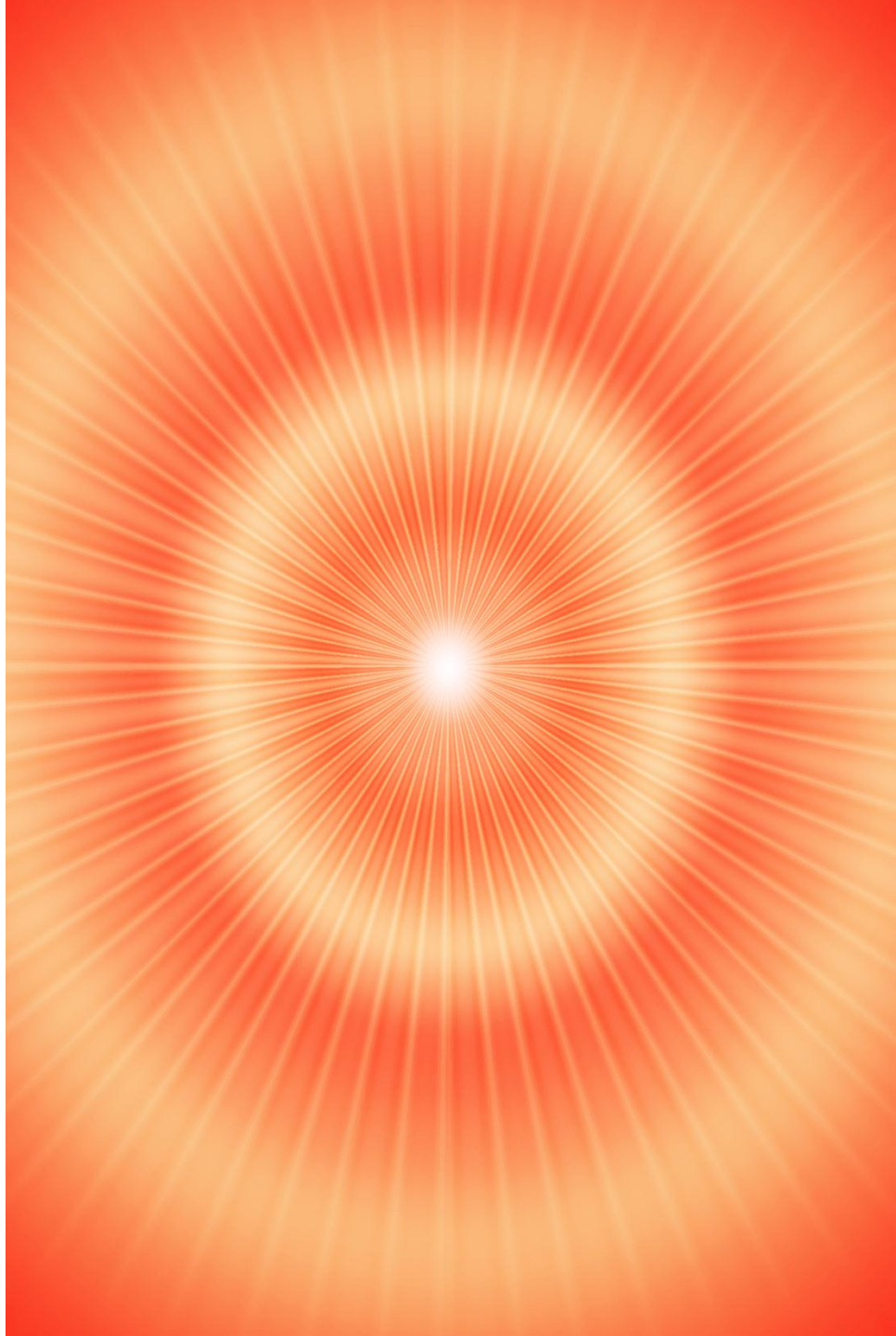

- सच्ची गीता तो सच्चा बाप ही आकर सुनाते हैं

- तो तुमको नशा चढ़ना चाहिए-हम तो श्रीमत पर स्वर्ग बना रहे हैं, बाप राजयोग सिखला रहे हैं।

- भाग्य विधाता बाप रोज़ अमृतवेले अपने आज्ञाकारी बच्चों को सफलता का तिलक लगाते हैं।

- ऊंच ते ऊंच शिव की पूजा है फिर ब्रह्मा-विष्णु- शंकर की फिर लक्ष्मी-नारायण, राधे-कृष्ण के मन्दिर हैं।